हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 16 जून 2025

तापमान

अधिकतम 39 .5 डिग्री
न्यूनतम 26 .5 डिग्री

11 त्रिकोणासन का अभ्यास चिंता, तनाव व अवसाद मनोरोगों में लाभकारी

12 प्रदेश की जेलों में कैदियों के लिए चलाये जा रहे स्किल डेवलपमेंट कोर्स : सीएम

खबर संक्षेप

रूनिचा एक्सप्रेस में महिला का बैग चोरी

रेवाड़ी। रूनिचा एक्सप्रेस से व्यक्ति ने महिला का बैग चोरी कर लिया। जीआरपी ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डाबडवास की ढाणी नीमराणा जिला कोटपुतली निवासी संगीता ने जीआरपी को बताया कि उसका पति जोधपुर में बैंक में नौकरी करता है तथा वह अपने पति व बच्चों के साथ जोधपुर में रहती है। 14 जून को वह रूनिचा एक्सप्रेस में अपने पति सुनील कुमार के साथ सफर कर रही थी। सभी अपनी-अपनी सीटों पर सो गए थे। जब करीब सुबह 5 बजे के उनकी आंख खुली तो महिला का हैंड बैग गायब था, जिसमें मगंलसूत्र, बच्चे की पायल व मोबाइल फोन था। काफी तलाश करने पर भी बैग का पता नही चल सका। जीआरपी ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

कंपनी की पार्किंग से कर्मचारी की बाइक चोरी

रेवाड़ी। कसोला थाना क्षेत्र के गांव जलियावास स्थित कंपनी की पार्किंग से कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई। गांव बखापुर निवासी विनोद ने कसोला थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा अभिषेक असाई इंडिया कंपनी में नौकरी करता है। 13 जून को सुबह 9 बजे वह कंपनी की पार्किंग में मोटर साइकिल खड़ी करके ड्यूटी के लिए अदंर चला गया था, जब वह शाम 5 बजे ड्यूटी करके बाहर आया तो पार्किंग से मोटर साइकिल गायब थी। काफी तलाश करने पर जब बाइक नहीं मिली तो उसने पुलिस को शिकातय दी। कसोला थाना पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

दोस्तों के साथ खाना खाने गए युवक की बाइक चोरी

रेवाड़ी। शहर के मोहल्ला रामबास से चोर मोटर साइकिल चोरी कर ले गए। मोहल्ला कुतुबपुर निवासी हेमंत कुमार ने भाड़ावास गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 14 जून को शाम करीब शाम 7:40 बजे अपने भाई राजेश कुमार की मोटरसाइकिल लेकर अपने दोस्त विनय सैनी के घर मोहल्ला रामबास आया था तथा बाइक को घर के बाहर खड़ी करके अपनो दोस्तों के साथ खाना खाने के लिए बाहर चला गया। जब वे रात करीब 10 बजे वापस आए तो घर के बाहर से बाइक गायब थी। काफी तलाश करने पर जब बाइक नहीं मिली से हेमंत ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

मारपीट करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रोहड़ाई पुलिस ने शादीपुर में रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस शिकायत में बिसोहा निवासी सूरज ने बताया था कि वह 11 जून को शादीपुर में अंजू के घर गया था। वहां मुकुल नाम के युवक ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद वह वापस अपने घर जा रहा था, तो रास्ता रोककर उसके साथ फिर से मारपीट की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने झज्जर के माछरौली निवासी मुकुल को गिरफ्तार कर लिया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को दर्ज शिकायत में विवाहिता ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए तंग करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने उसकी शिकायत मिलने के बाद दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग से समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने पर पुलिस ने 30 मई को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के शाहबाद निवासी सौरभ शर्मा को गिरफ्तार किया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने की धन्यवाद रैली में कई बड़ी घोषणाएं

संतुलित विकास के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रही सरकार: नायब सिंह सैनी

■ करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास व शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस तरह से पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, ठीक उसी तर्ज पर प्रदेश सकार विकास के संकल्प को लेकर पूरे प्रदेश में समान रूप से विकास करा रही है। सैनी रविवार को राव तुलाराम स्टेडियम में रेवाड़ी हलके में आयोजित धन्यवाद रैली को संबोधित कर रहे थे।

हलके के लोगों को विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए सीएम ने घोषणाओं का पिटारा खोला। उन्होंने रेवाड़ी की पानी की आपूर्ति के लिए भगवानपुर में 9 एकड़ 7 कनाल भूमि में अतिरिक्त वाटर स्टोरेज टैंक के निर्माण के लिए 50 करोड़ 58 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, गांव डूंगरवास में पीने के पानी के लिए बूस्टिंग स्टेशन और नई पाइप लाइन बिछाने के लिए 7 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही, गांव गोकुलपुर में वाटर वर्क्स के निर्माण और नई पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 करोड़ 6 लाख रुपये की घोषणा की।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने रेवाड़ी में 288 करोड़ 31 लाख रुपये लागत की 15 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 193 करोड़ 94 लाख रुपये की लागत की 8 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 94 करोड़ 37 लाख रुपये लागत की 7 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेवाड़ी में भूमि उपलब्ध होने पर एक बड़ी लाइब्रेरी बनाई जाएगी। साथ ही, रेवाड़ी में मार्केट कमेटी के भवन के लिए भी 4 करोड़ 39 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की पांच सड़कों के नवीनीकरण के लिए मुख्यमंत्री ने 4 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। इसी विभाग की 37.32 किलोमीटर की 18 सड़कों को संबंधित एजेंसी के माध्यम से ठीक करवाया जाएगा। इसके अलावा, रेवाड़ी में 18.48 किलोमीटर की 12 अन्य सड़कों की स्पेशल रिपेयर के लिए 3 करोड़ 36 लाख रुपये, 37.59 किलोमीटर की 25 सड़कों के नवीनीकरण के लिए 26 करोड़ 84 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेवाड़ी विधानसभा में पीडबल्यूडी की 90.99 किलोमीटर की 51 सड़कों की संबंधित एजेंसी के माध्यम से मरम्मत करवाई जाएगी। रेवाड़ी में 10.95 किलोमीटर की पांच सड़कों का निर्माण कार्य जल्द आरंभ हो जाएगा। इसके अलावा, रेवाड़ी शहर में सीवरेज की नई लाइन बिछाई जाएगी।

रेवाड़ी। कोसली के नवनिर्मित नर्सिंग कॉलेज का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री, ग्राम सचिवालय संगवाड़ी का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। धन्यवाद रैली में उपस्थित लोगों को संबोधित करते सीएम नायब सैनी। फोटो :हरिभूमि

ये की घोषणाएं

- रेवाड़ी में पानी की आपूर्ति के लिए भगवानपुर में अतिरिक्त वाटर स्टोरेज टैंक के निर्माण के लिए 50 करोड़ 58 लाख रुपये की घोषणा
- गांव डूंगरवास में पीने के पानी के लिए बूस्टिंग स्टेशन, नई पाइप लाइन के लिए 7 करोड़ 20 लाख रुपये और गांव गोकुलपुर में वॉटर वर्क्स के निर्माण के लिए 5 करोड़ 6 लाख रुपये की घोषणा
- रेवाड़ी में बनेगी बड़ी लाइब्रेरी, सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए लगभग 35 करोड़ रुपये की घोषणा

एसटीपी से छोड़ा जाएगा साफ पानी

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैसानी बैराज में जो फैक्ट्रियों का दूषित पानी आता है, उसके समाधान के लिए सरकार ने एक व्यापक योजना बनाई है। इसके तहत, इस क्षेत्र में एसटीपी लगाए जाएंगे और पानी को शुद्ध करके बैराज में छोड़ा जाएगा और उस पानी को कृषि के लिए उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने रेवाड़ी विधानसभा के गांवों के विकास कार्यों को लेकर अलग से 5 करोड़ रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मसानी बैराज में दूषित पानी छोड़े जाने की समस्या काफी गंभीर है, लेकिन सरकार इसका जल्द समाधान करने के लिए प्रयासरत है।

कर्नल रामसिंह चौक पर बनेगा फ्लाईओवर

कर्नल राम सिंह चौक के पास फ्लाईओवर की फिजिबिलिटी चेक करवाकर इसका निर्माण करवाया जाएगा। इसके अलावा, भूमि उपलब्ध होने पर जिला नागरिक अस्पताल से ट्रामा सेंटर को नई जगह शिफ्ट किया जाएगा। धारूहेड़ा के अर्बन हेल्थ सेंटर को अपग्रेड कर पीएचसी बनाया जाएगा। नगर परिषद रेवाड़ी के नए भवन कार्यालय का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजकीय मॉडल संस्कृत वरिष्ठ माध्यमिक काकोडिया के भवन का निर्माण भूमि की उपलब्धता होने पर किया जाएगा। रेवाड़ी में जमीन उपलब्ध होने पर उपमंडल कृषि अधिकारी के कार्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा। राजकीय महाविद्यालय बॉयज के भवन का भी निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा।

विधायक ने कोसली को दी परियोजनाओं के लिए सीएम का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के विधायक अनिल यादव ने कोसली विस क्षेत्र को मिली 61 करोड़ 39 लाख रुपये की परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव सहादतनगर में 44 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से बने नर्सिंग कॉलेज का लोकार्पण किया। गांव धवाना में पांच करोड़ 80 लाख रुपये तथा लिलोढ़ में 6 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से तैयार हुए 33 केवी के दो नए सब स्टेशनों का उद्घाटन किया गया। गांव सुरहेली में दो करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से बने खंड स्तरीय खेल स्टेडियम का उद्घाटन हुआ तथा गांव रतनथल से पाल्हावास तक मार्केटिंग बोर्ड द्वारा दो करोड़ 14 लाख रुपये से बनाई जाने वाली सड़क का शिलान्यास किया गया। विधायक अनिल यादव ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी मुख्यमंत्री इसी प्रकार से कोसली विधानसभा क्षेत्र की विकास परियोजनाओं को पूरा कराते रहेंगे।

रेवाड़ी। मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते विधायक अनिल कुमार। फोटो :हरिभूमि

लेफ्टिनेंट बनकर गांव पहुंचे अन्नी नेहरा का ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

■ लेफ्टिनेंट अन्नी को बनीपुर चौक से ढ़ोल-नगाड़ों के साथ जुलुस निकालकर गांव टीकला ले जाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

बावल विधानसभा क्षेत्र के गांव टीकला निवासी अन्नी मेहरा सेना में लेफ्टिनेंट बने है। रविवार को लेफ्टिनेंट के गांव पहुंचने ने ग्रामीणों की ओर से जोरदार स्वागत किया गया। लेफ्टिनेंट अन्नी को बनीपुर चौक से ढ़ोल-नगाड़ों के साथ जुलुस निकालकर गांव टीकला ले जाया गया। अन्नी के पिता देवेन्द्र नेहरा भी सेना में सेवा दे रहे है। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने अन्नी का सम्मान किया। इस मौके पर किसान नेता रामकिशन महलावत ने कहा कि प्रदेश, जिला व बावल के लिए गर्व की बात है, बाप-बेटा सेना के माध्यम से देश सेवा में लगे है। पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. बनवारीलाल ने कहा कि बावल क्षेत्र ने देश को अनेक सैनिक दिए है। युवाओं में सेना के प्रति लगातार रुझान सेना बढ़ रहा है। इस अवसर पर नपा प्रधान वीरेंद्र सिंह, जसवंत सिंह, कुलदीप व अजीत सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। लेफ्टिनेंट अन्नी नेहरा का स्वागत करते लोग। फोटो :हरिभूमि

सुठानी अड्डे से गांजे के साथ एक आरोपी किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

■ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया

कसोला थाना पुलिस ने गांव सुठानी अड्डे से नशीले पदार्थ गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बनीपुर चौक पर गस्त के दौरान 14 जून को पुलिस को सूचना मिली थी कि सोनू निवासी गुर्जर माजरी नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करता है तथा गांजा बेचने के लिए गांव सुठानी अड्डे के पास ढाबे के सामने खड़ा है। सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां पर एक युवक मौजूद था। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम सोनू निवासी गुर्जर माजरी बताया। तलाशी लेने पर युवक के कब्जे से 104 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रेवाड़ी। गांजे के साथ गिरफ्तार आरोपी सोनू। फोटो :हरिभूमि

अमानत में खयानत का आरोपी दस साल बाद गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना कसोला पुलिस ने मालिक की गाड़ी व नकदी लेकर फरार हुए चालक को लगभग 10 साल बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया। 26 जून 2015 को थाना कसोला पुलिस को दर्ज शिकायत में जयसिंहपुर खेड़ा निवासी जगमोहन ने बताया था कि उसके पास एक टाटा गाड़ी है। उसने गाड़ी पर रोहतक के मकडौली कलां निवासी रामबीर को चालक लगाया हुआ है। रामबीर 31 मई 2013 को उसकी गाड़ी में बावल औद्योगिक एरिया से बैट्रियां भरकर उसे बताए बिना दिल्ली ओखला के लिए चला गया। गाड़ी में टायर डलवाने के बहाने 26 हजार रुपये भी उससे ले गया। इसके बाद वह गाड़ी लेकर नहीं आया। उसने फोन पर चालक से संपर्क किया, तो उसने गाड़ी लौटाने से साफ इनकार कर दिया।

आज से दो दिन तक मौसम में बदलाव की संभावना, तापमान में गिरावट से हीटवेव का असर होगा कम

धूल भरी हवाएं चलने के बाद बूंदाबांदी, पारा गिरने से राहत

■ दोपहर बाद तक भारी गर्मी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भारी गर्मी के बीच पहले धूल भरी हवा चलने और शाम को बूंदाबांदी होने से मौसम सुहाना हो गया। तापमान में गिरावट आते ही गर्म हवाओं का असर भी कम हो गया। 16 जून से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इस सप्ताह झमाझम बारिश होने की संभावना है। रविवार को सुबह से ही धूल भरी हवाएं चलती रहीं। दोपहर बाद तक भारी गर्मी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 39.5 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री की वृद्धि के साथ 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दो दिन से तापमान में गिरावट आना शुरू हुआ है।

इससे पूर्व बीते सप्ताह तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच गया था, जिससे हीटवेव ने लोगों का दोपहर के समय घर से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया था। सोमवार दोपहर बाद मौसम में बदलाव आ गया। आसमान में घने बादल छा गए। शाम के समय कई इलाकों में बूंदबांदी व हल्की बरसात हुई। इससे मौसम सुहाना हो गया। दोपहर तक हवा में नमी 60 फीसदी तक रहने के कारण उमस ने पसीने छुड़ाए, तो शाम के समय बदले मौसम ने गर्मी से कुछ हद तक राहत दिलाई। आसमान में गहरे बादल छाने से बारिश की संभावना बनी हुई थी।

रेवाड़ी। रविवार शाम को शहर में छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

आज से शुरू हो सकती है बरसात

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से सोमवार से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। आसमान में बादलों के बीच तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बरसात हो सकती है। इस सप्ताह मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल सकता है। सप्ताह के अंत तक अच्छी बरसात होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम में बदलाव से तापमान में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

किसानों को जल्द राहत की उम्मीद

जून माह के शुरू में बरसात होने के बाद बाजरे की बिजाई कर चुके किसानों के सामने भारी गर्मी के कारण फसल बचाने का संकट खड़ा हो रहा था। किसान नलकूपों के पानी से सिंचाई कर रहे हैं। अगर इस समय अच्छी बरसात होती है, तो कपास व बाजरा दोनों फसलों को अच्छा फायदा मिलेगा। मौसम में बदलाव के बाद बिजली की खपत में भी 10 लाख यूनिट तक की गिरावट दर्ज की गई है।

ट्रेन से चोरी किए यात्रियों के पांच मोबाइल के साथ काबू

रेवाड़ी। जीआरपी ने रेलवे स्टेशन के वेटिंग हाल से रेवाड़ी के गांव पाल्हावास निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। जीआरपी टीम जब चैकिंग के दौरान लोहारू रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक स्थित मुसाफिर खाने में पहुंची तो एक व्यक्ति कंधे पर बैग लटकाकर तेजी से बाहर जाने लगा। जीआरपी ने शक होने पर उसे काबू किया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम परमबीर गांव पाल्हावास बताया। जब उससे बैग के अंदर के सामान बारे पूछा गया तो वह कोई संतोषजनक जबाब नहीं दे सका। जब जीआरपी ने बैग चैक किया तो उसके अंदर 5 मोबाइल फोन मिले। पूठताछ करने पर युवक ने बताया कि उसने ये मोबाइल फोन रेलगाड़ियों के अंदर शराब के नशे मे चोरी किए थे। जीआरपी ने युवक के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज हैं। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

हमारी योग पद्धति का दुनिया में बज रहा डंका

भारत सरकार ने योग और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए हरियाणा के कई युवाओं को विदेशों में भेजा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने को लेकर प्रस्ताव रखा था, जिस पर 177 देशों ने सहमति दी थी। इसके तहत 11 दिसंबर 2014 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। पहली बार 21 जून 2015 को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और यह आज तक बदस्तूर जारी है।

भारत को योग का घर माना जाता है। योग की उत्पत्ति 5000 साल पहले उत्तरी भारतीय सिंधु सभ्यता में हुई थी। सिंधु घाटी सभ्यता में योग के अभ्यास के साक्ष्य मिले हैं। वैदिक काल में भी योग की परंपरा थी। ऋग्वेद में योग शब्द का उल्लेख मिलता है। शास्त्रीय काल में महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र नामक ग्रंथ में योग के विभिन्न पहलुओं को व्यवस्थित रूप से संकलित किया था। वर्तमान काल में योग दुनियाभर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है।

कुरुक्षेत्र के अजय राठी फिलहाल स्पेन में योग की शिक्षा का प्रचार कर रहे हैं। वे स्पेन के अलावा त्रिनिनाद, टोबागो, डोमिनिका, ग्रेनाडा, आदि देशों में योग गतिविधियों का सुपरविजन कर रहे हैं।

योग और संस्कृति

राज कुमार नरवाल

योग स्वस्थ तन एवं मन की प्राप्ति के लिए की जाने वाली एक क्रिया है। योग एक अत्यंत आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी। भारत को योग का घर माना जाता है। योग की उत्पत्ति 5000 साल पहले उत्तरी भारतीय सिंधु सभ्यता में हुई थी। सिंधु घाटी सभ्यता में योग के अभ्यास के साक्ष्य मिले हैं।

वैदिक काल में भी योग की परंपरा थी। ऋग्वेद में योग शब्द का उल्लेख मिलता है। शास्त्रीय काल में महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र नामक ग्रंथ में योग के विभिन्न पहलुओं को व्यवस्थित रूप से संकलित किया था। वर्तमान काल में योग दुनियाभर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है। साल 2014 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। जिस पर 177 देशों ने अपनी सहमति जताई थी। 11 दिसंबर 2014 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। पहली बार 21 जून 2015 को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। तब से हर साल 21 जून को दुनियाभर के देशों में योग दिवस जोश के साथ मनाया जाता है। हरियाणा में भी प्राचीन समय से ही योग की परंपरा रही है। शुरू से ही यहां पर कसरत, कबड्डी व कुश्ती जैसे क्रिया कलाप होते रहे हैं। यहां तक कि शिक्षा के केंद्रों में भी विद्यार्थियों को इनका अभ्यास करवाया जाता रहा है। हरियाणा के लोगों को बचपन से ही शारीरिक श्रम करने का शौक रहा है। आज भी हरियाणा के अनेक खिलाड़ी ओलंपिक खेलों में मेडल जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

विदेशों में योग सिखा रहे हरियाणवी

हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से कई योग शिक्षक विदेशों में इंडियन कल्चर डिप्लोमैट के तौर पर योग और भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। महम के खरकड़ा गांव से डॉ. सोमवीर आचार्य सुरीनेम में भारतीय योग दर्शन, हिंदी, संगीत, नृत्य आदि का फैलाव कर रहे हैं। डॉ. सोमवीर आचार्य ने बताया कि कुरुक्षेत्र के अजय कुमार राठी फिलहाल स्पेन में योग की शिक्षा का प्रचार कर रहे हैं। वे स्पेन के अलावा त्रिनिनाद, टोबागो, डोमिनिका, ग्रेनाडा, मोन्सट्रेट आदि देशों में योग गतिविधियों का सुपरविजन कर रहे हैं। अजय कुमार राठी इससे पूर्व रूस और चीन में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इससे पहले भारत सरकार ने पानीपत के कवि गांव निवासी डॉ. देवेंद्र सिंह को हांगकांग, फरीदाबाद के मनोज को स्पेन, झज्जर से जयवंती सिंह को स्लोवाकिया, झज्जर के आशीष गहलावत को सऊदी अरब, डीघल के राम अहलावत को रूस में, बरहाना से अजीत अहलावत को पोर्ट मोरेस्बई, मातनहेल गांव की बहु सोनू को बेल्जियम भेजा था। इनके अलावा भी हरियाणा के कई युवक युवतियां विदेशों में योग एवं प्राणायाम और भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार करने में जुटे हैं

डॉ. सोमवीर आर्य (द्वितीय सचिव) सांस्कृतिक राजदूत, भारतीय राजदूतावास, सूरीनाम, दक्षिणी अमेरिका।

भारतीय संस्कृति और योग के शिक्षक रोहतक, (हरियाणा) निवासी डॉ. जसबीर उच्चायोग के आधिकारिक क्षेत्र अकरा, घाना में योग गतिविधि की देखरेख करते हैं।

योग के मुख्य अंग

यम : सामाजिक आचरण (सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह)
नियम : व्यक्तिगत आचरण (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वरप्रणिधान)
आसन : शारीरिक मुद्राएं
प्राणायाम : श्वास नियंत्रण
प्रत्याहार : इंद्रियों को नियंत्रित करना
धारणा : एकाग्रता
ध्यान : चिंतन
समाधि : ध्यान की चरम अवस्था।

आज, योग एक लोकप्रिय व्यायाम और कल्याण पद्धति के रूप में दुनिया भर में जाना जाता है। योग का नियमित अभ्यास शरीर को स्वस्थ और लचीला बनाता है, मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करता है, और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है।

योग प्रोटोकॉल में शामिल मुख्य बातें

प्रार्थना : योग अभ्यास की शुरुआत से पहले, शांति और सकारात्मकता के लिए प्रार्थना की जाती है.

चालन क्रिया : शरीर को वार्म-अप करने और लचीलापन बढ़ाने के लिए, गर्दन, कंधे, कमर, और घुटनों की चालन क्रियाएं की जाती हैं.

आसन : योग के मुख्य भाग में, विभिन्न आसन (जैसे खड़े होकर, बैठकर, पेट के बल, और पीठ के बल) किए जाते हैं.

प्राणायाम : सांस लेने की तकनीकें, जैसे कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, और शीतली, शरीर और मन को शांत करने के लिए की जाती हैं.

ध्यान : ध्यान के माध्यम से, एकाग्रता और मानसिक शांति प्राप्त करने का अभ्यास किया जाता है.

संकल्प : योग अभ्यास के अंत में, एक सकारात्मक संकल्प लिया जाता है, जो पूरे दिन के लिए प्रेरणा प्रदान करता है.

शांति पाठ : योग सत्र के समापन पर, शांति और सद्भाव के लिए शांति पाठ किया जाता है।

कृष्ण, महावीर व बुद्ध ने भी योग का विस्तार किया

भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि-मुनियों से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है। बाद में कृष्ण, महाबीर और बुद्ध ने इसे अपनी तरह से विस्तार दिया। इसके पश्चात पतंजलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। इस रूप को ही आगे चलकर सिद्धपंथ, शैवपंथ, नाथपंथ, वैष्णव और शाक्त पंथियों ने अपने-अपने तरीके से विस्तार दिया।

सामान्य योग प्रोटोकॉल में ये अभ्यास शामिल

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, सामान्य योग प्रोटोकॉल में प्रार्थना, योग आसन (जैसे ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, शवासन), प्राणायाम (जैसे कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, शीतली), ध्यान, संकल्प, और शांति पाठ जैसे अभ्यास सिखाए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आयुष मंत्रालय द्वारा जारी सामान्य योग प्रोटोकॉल में इन अभ्यासों को शामिल किया गया है, ताकि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके।

कविता | डॉ. शील कुमार

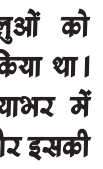

भारत की हो जय जयकार

परम वैभवी भारत बणज्यआ,
संघ शक्ति का हो विस्तार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,
भारत की हो जय जयकार।।

ना भेद-भाव हो मन मैं,
ना मंदिर-कुआं न्यारा हो।
ना जात-पात हो दिल मैं,
बस सबका भाई चारा हो।
सामाजिक समरसता होज्या,
मिट ज्यागी सारी तकरार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

कुटुंब प्रबोधन करकै,
घर मैं सबनै सम्मान मिलै।
हों बालक आज्ञाकारी,
और देश-धर्म का ज्ञान मिलै।
टुटणै तै परिवार बचैंगे,
घर मैं बणे रहं संस्कार।
पांच करैं परिवर्तन जग [redacted],.....

स्व का भाव जगाकै,
स्वदेशी का इब ध्यान करो।
स्वभाषा व संस्कृति,
महापुरुषों पै अभिमान करो।
उज्ज्वल अपणी परम्परां सैं,
जीवन का सैं ये आधार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

इब पाणी खूब बचाणा,
और प्लास्टिक दूर भगाणा सै,
पौधे नये लगाकै,
पर्यावरण बचाणा सै।
शुद्ध हवा और पाणी होज्या,
स्वस्थ रहैगा सब संसार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

हों यातायात के नियम,
चाहे बिजली फेर बचाणी हो।
सरकारी सम्पत्ति की,
हांम कदै करां ना हानि हो।
नागरिक के कर्तव्य निभावां,
भारत मां के पहरेदार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

रागनी | भूपसिंह भारती

पेड़ ही पेड़ लगाओ

जग म्ह जीणे की खातिर, पौधे पांच लगाओ।
सूखी अर वीरान धरा नै, फेर तै हरी बणाओ।।

धरती की हम करा रूखाली, बण कै सच्चे माली,
फळ फुलां तै लदी रहै सै, म्हारी एक एक डाली,
फेर करी क्यूं नजर कुढ़ाली, हमनै काट बगाओ।

गहरी सीली छाया द्याँ, अर [redacted]वां हम अन्न पाणी,
जीव जंतु संतान सगी रै, ना समझी कदे बिराणी,
कदे ना कदर पिछाणी, थम म्हारा गळ कटवाओ।

समझ नहीं थारै आई, हम धरती के आभूषण,
पर्यावरण नै शुद्ध करा, भई करकै दूर प्रदूषण,
पेड़ करै सबका पोषण, थम शोषण नै रुकवाओ।

सब बातां नै छोड़ कै सारे, मिल कै शपथ उठाओ,
पेड़ो की रखवाळ करो अर, पेड़ ही पेड़ लगाओ,
कहै 'भारती' पेड़ लगाकै, इणका संताप मिटाओ।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

केश विन्यास | हरियाणवी महिलाओं की गौरवशाली पहचान चूंडा साफ-सुथरी और व्यवस्थित जीवनशैली का प्रतीक कहलाता था

चूंडा : विलुप्त होती एक हरियाणवी परंपरा

शृंगार | आशा कुमारी

हरियाणा की सांस्कृतिक परंपराएं जितनी गहरी हैं, उतनी ही आकर्षक भी हैं। लोकगीत, पहनावा, बोली और नृत्य के साथ-साथ यहाँ की स्त्रियों की सजने-संवरने की शैली भी समय-समय पर लोगों का ध्यान आकर्षित करती रही है। ऐसी ही एक विलुप्त होती परंपरा है 'चूंडा' बनाने की हेयरस्टाइल, जो कभी हरियाणा की पहचान और ग्रामीण स्त्रियों की शोभा मानी जाती थी।

चूंडा क्या होता है?

चूंडा एक पारंपरिक हेयर स्टाइल थी जिसमें महिलाओं के बालों को अलग-अलग सेक्शनों में बाँटकर, बारीकी से छोटी-छोटी चोटियों में गूंथा जाता था। फिर उन सभी चोटियों को मिलाकर सिर के ऊपरी हिस्से पर एक गोल जूड़ा बनाया जाता था। इस जूड़े को सजाने और स्थिर रखने के लिए काले रंग के सूती धागों की मदद से बालों को बाँधा और लपेटा जाता था। ये काम गाँव की एक विशेष महिला जिसे 'नाण' कहा जाता था, करती थी। 'नान' वह स्त्री होती थी जो अनुभवी होती थी चूंडा बनाने में। हर गांव में एक-दो नाण होती थीं जो त्योहारों, शादी-ब्याह और विशेष अवसरों पर युवतियों और महिलाओं से उपहार भी प्राप्त करती थी। आप कह सकते हैं नाण पुराने जमाने की ब्यूटीशियन होती थी। चुटिला जो काले सूती धागों से बनता था, का इस्तेमाल सबसे ज्यादा चूंडा बनाने के लिये होता था। शादी या त्योहार के अवसरों पर काले धागे जिनके छोर पे लाल, पीले, हरे जैसे रंगीन धागों को भी इस्तेमाल किया जाता था। बालों को बाँधकर आखिर में चूंडे को इन्हीं कपड़ों से लपेटकर एक साफ-सुथरी और सुंदर आकृति दी जाती थी।

हर दिन नहीं धोए जाते थे बाल

उस समय बालों को जल्दी-जल्दी नहीं धोया जाता था। आमतौर पर महिलाएं सप्ताह में एक बार बाल धोती थीं, और बाकी दिनों में चूंडा बनाने की वजह से बाल धूल और गंदगी से सुरक्षित रहते थे। गूंथे हुए बाल उलझते नहीं थे, और न ही खुले बालों की तरह चेहरे पर आते थे। इस प्रकार चूंडा एक साफ-सुथरे और व्यवस्थित जीवनशैली का प्रतीक था। हरियाणवी बोली में चूंडा को लेकर कई मुहावरे और कहावतें प्रचलित थीं। जैसे कि 'चूंडा पाड़ देना' जो लड़ाई की तीव्रता को दर्शाने के लिए प्रयोग किया जाता था।

लोकनृत्य में चूंडे की प्रतीकात्मकता

आज भले ही महिलाएं रोज चूंडा न बनाती हों, लेकिन हरियाणवी नृत्य में यह आज भी जीवित है। नर्तकियाँ अपने सिर पर एक कोन जैसी आकृति (कार्डबोर्ड या कागज की बनी) रखती हैं, जो चूंडे का ही प्रतीक होती है।

यह न केवल एक सजावट होती है, बल्कि यह दर्शकों को हरियाणवी संस्कृति की जड़ों से जोड़ने का काम करती है। इसलिए फिल्मों में भी हरियाणवी पोषाक के साथ सिर पर चूंडे को दर्शाया जाता है। चूंडा बनाना अक्सर अकेले नहीं होता था। नाण जब महिलाओं के बाल बनाती थीं, साथ बैठकर गप्पें मारती थीं, लोकगीत गाती थीं और एक-दूसरे को गाँव की सारी खबरें देती थी। इससे शायद सोशल मीडिया की कमी कुछ पूरी होती होंगी। यह एक सामूहिकता का अनुभव था। इसमें आपसी रिश्ते भी मजबूत होते थे और परंपरा भी आगे बढ़ती थी। आज के समय में, जब जीवन की रफ्तार तेज हो गई है और फैशन ट्रेंड्स इंस्टाग्राम से तय होते हैं, ऐसे में चूंडा जैसी परंपराएं पीछे छूटती जा रही हैं। अब शायद ही किसी लड़की या महिला के सिर पर वह खूबसूरत चूंडा दिखता है, जो उसकी दादी या नानी कभी बनाती होंगी।

संस्कृति की चोटी पर बंधी स्मृति

चूंडा न केवल एक जूड़ा होता था, बल्कि हरियाणवी स्त्री की गौरवशाली पहचान थी। यह बालों के सजने से कहीं ज्यादा, परंपरा, स्त्रीत्व और सौंदर्य का प्रतीक था। आज जब हम अपनी संस्कृति की ओर पुनः लौटने की बातें कर रहे हैं, तो हमें ऐसी छोटी-छोटी परंपराओं को भी संजोकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना होगा।

फिर से दिलानी होगी पहचान

हरियाणा के कलाकार चाहें तो अब चूंडा जैसी शैलियों को फिर से पहचान दिलाने की कोशिश कर सकते हैं? इसके लिए लोकनृत्य प्रशिक्षण, गांवों में आयोजित सांस्कृतिक मेलों और स्कूलों की लोककला कार्यशालाओं में चूंडा बनाना सिखाया जा सकता है। युवतियां भी अब इसे एक 'विंटेज हेयरस्टाइल' के रूप में देख सकती हैं।

लोक साहित्य की वाचन परंपरा का खास महत्व : रविन्द्र रवि

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति में लोक साहित्य को अपनी आवाज के जादू से नया आयाम देते आ रहे रविन्द्र कुमार रवि अनूठी साधना में जुटे हैं। मसलन कवि सम्मेलन, काव्य मंच, आकाशवाणी व टीवी चैनलों के माध्यमों से साहित्य की विधाओं को स्थान मिलता रहा है, लेकिन वह सोशल मीडिया पर साहित्य की वाचन-परंपरा का नया चितेरा बनकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं, जो करीब नौ वर्षों से हिंदी और हरियाणवी में अपनी कलम और आवाज के जादूगर के रूप में एक मजबूत व्यक्तित्व और बेहतरीन मंच संचालक के रूप में उभरे हैं।

अंग्रेजी शिक्षक एवं साहित्यविद्, लेखक एवं आवाज के जादूगर रविन्द्र कुमार रवि ने हरिभूमि संवाददाता से बातचीत के दौरान कई ऐसे तथ्यों को उजागर किया है, जिसमें वह अपनी वाचन कला की प्रतिभा के बल पर हरियाणवी संस्कृति में लोक साहित्य की वाचन परंपरा को देशभर की रचनाधर्मिता से जोड़े हुए हैं। रविन्द्र कुमार 'रवि' का जन्म 18 जुलाई 1978 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के गांव सुरेहली में फतेह सिंह और चंद्रकला के घर में हुआ। उनके पिता सेना में देश की सेवा में रहे तथा माता गृहणी के रूप में धार्मिक प्रवृत्ति के साथ परिवार को संस्कार देने में जुटी रही। परिवार में कोई साहित्यिक और सांस्कृतिक माहौल नहीं रहा, लेकिन बचपन से रेडियो सुनने के शौकीन रहे रविन्द्र रवि यादव लोक संस्कृति पर आधारित काव्य सृजन यानी काव्य मंचों पर तरन्नुम में मधुरकंठी काव्यपाठ से छाप छोड़ने में माहिर हैं। पठन पाठन, वाचन, संगीत सुनना, हिंदी हरियाणवी में लिखना उनकी अभिरुचि में समाया हुआ है। रवि ने नाहड़ के सरकारी कालेज से स्नातक, मोरनी हिल्स से जेबीटी की पढ़ाई पूरी की, जिसके बाद छह वर्ष तक एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत रहे। इनकी बाद में दिल्ली सरकार के स्कूल में अंग्रेजी के जेबीटी शिक्षक के तौर पर नियुक्ति हुई। इसके साथ ही वह अपने लोक साहित्य को नया आयाम देते हुए रचनात्मक कार्य में जुटे रहे। वर्ष 2016 में वे बोल हरियाणा के एक बड़े मंच से जुड़े और उनकी इस कला की प्रतिभा को ऐसे पंख लगे कि उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बकौल रवि उन्होंने बोल हरियाणा देश के विभिन्न कोनों के वरिष्ठ रचनाकारों की चार सौ से ज्यादा लघुकथाओं तथा 'बोल किताबों ताई के' नामक शीर्षक से अपनी हरियाणवी रचनाओं की एक लंबी श्रृंखला को स्वर देकर विशिष्ट पहचान बनाई। अब तक वह करीब पांच सौ बोल किताबो ताई के लिख चुके हैं। फोटो आधारित इन छह पंक्तियों में हरियाणवी जीवन के हर पहलू को लिखने का प्रयास किया है। वहीं उन्होंने कोरोना काल में अपने उक्त स्थायी स्तंभों के अलावा एक चिट्ठी अपनों के नाम, माई लाइफ ड्यूरिंग लॉकडाउन, आपके जज्बात के साथ आदि समसामयिक स्तंभों का लेखन करके अपना रचनात्मक योगदान दिया है। उनका कहना है कि अंग्रेजी उनके कार्य क्षेत्र के लिए एक विषय है, लेकिन हिन्दी भाषा रगों में रची-बसी है और हरियाणवी मां बोली है।

यहां से मिली मंजिल

आवाज के जादूगर रविन्द्र रवि ने बताया कि उनकी इस रचनात्मक यात्रा में जनवरी 2019 में एक नया पड़ाव उस समय आया, जब उन्होंने इसी परंपरा पर आधारित नवाचारी प्रकल्प प्रारंभ किया। बोलता साहित्य-विद रवि यादव नामक इस यूट्यूब चैनल के माध्यम से उन्होंने फिर नए प्रयोग करने शुरू किए। इसी माध्यम से वह अभी तक शताधिक लघुकथाएं, करीब एक दर्जन कहानियां, डेढ़ सौ से ज्यादा कविताएं, काफी ज्यादा संख्या में समीक्षाएं, संस्मरण, पत्र आदि रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर चुके हैं। वह विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन भी कर चुके हैं तथा प्रसारित संस्मरणों पर आधारित कुटुंब नामक एक ई-बुक भी लॉन्च कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि कथा कहानी कार्यक्रम में 400 से ज्यादा लघुकथाओं का प्रसारण हुआ इसके साथ-साथ बड़ी कहानियां एवं कविताओं का भी प्रसारण रेडियो बोल हरियाणा पर हुआ। आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति को लेकर रविन्द्र कुमार रवि का कहना है कि हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत सदियों पुरानी और समृद्ध रही है। हरियाणा की लोक संस्कृति, कला, रंगमंच और साहित्य ने सदा से समाज को दिशा दी है। इस आधुनिक युग में भी लोक कला और संस्कृति ने अपना विशिष्ट स्थान बए रखा है।

पुरस्कार और सम्मान

अपनी इस अनूठी साहित्यिक कला की साधना में जुटे रविन्द्र रवि को अनेक सम्मानों से नवाजा जा चुका है, जिनमें प्रमुख रुप से बोल हरियाणा गौरव सम्मान, लघुकथा हितैषी सम्मान, हिंदी गूंज पुरस्कार, हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए हिन्दी सेवी सम्मान, शिक्षा के क्षेत्र में आउट स्टैंडिंग टीचर ऑफ डेल्ही शिक्षक सम्मान, वेस्ट दिल्ली जोनल बेस्ट टीचर अवॉर्ड, यूनेस्को के वर्ल्ड वाइड न्यूज लेटर में सम्मान के अलावा अनेक सामाजिक,साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से भी अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं।

छह से आठ महीने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ रहे थे, लड़ी थी स्वतंत्रता की लड़ाई

आजाद हिंद फौज के सिपाही स्वतंत्रता सेनानी मंगल सिंह का निधन, राजकीय सम्मान से दी विदाई

- कोसली के रहने वाले 105 वर्षीय मंगल सिंह कुछ समय से चल रहे थे बीमार
- गांव में अंतिम संस्कार उनके पोते कर्मवीर ने उन्हें मुखाग्नि दी

हरिभूमि न्यूज ⏭| कोसली

कोसली निवासी आजाद हिंद फौज के 105 वर्षीय वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी मंगल सिंह का रविवार को निधन हो गया। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे। रविवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ गांव की श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पोते कर्मवीर ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पूर्व कोसली पुलिस की टुकड़ी ने उन्हें अंतिम सलामी दी। प्रशासन की ओर से एसडीएम विजय कुमार, नायब तहसीलदार हरिकिशन, बीडीपीओ अनिल कुमार व एसएचओ कश्मीर सिंह ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किए।

रेवाड़ी। स्वतंत्रता सेनानी मंगल सिंह को सेल्यूट करते एसडीएम विजय कुमार तथा स्वतंत्रता सेनानी मंगल सिंह का फाईल फोटो।

वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी मंगल सिंह छह से आठ महीने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ रहे। पहले जापानियों ने सिंगापुर में कैद कर लिया।

बाद में अंग्रेजों ने बर्मा में जेल में रखा। 1946 में अंग्रेजों द्वारा उन्हें लखनऊ लाकर इस शर्त के साथ छोड़ दिया कि कहीं नौकरी नहीं करोगे। मंगल सिंह बताते थे कि आजादी से पहले उन लोगों को न तो कुर्सी पर बैठने की इजाजत थी व न कुछ बोलने की। स्वतंत्रता सेनानियों के साथ बहुत निम्न स्तर का बरताव किया जाता था। एक सैनिक के बक्से में सिर्फ महात्मा गांधी की फोटो होने की वजह से अंग्रेज अफसर द्वारा बहुत कठोर सजा दी गई तथा सेवा से बर्खास्त भी कर दिया गया था। देश आजाद होने के बाद वे 1948, 1962,1965 व 1971 के युद्धों में शामिल रहे तथा जनवरी 1974 में पेंशन आ गए थे। उनके पोते कर्मवीर ने बताया कि उनके दो लड़के धर्मवीर व उदय सिंह हैं। धर्मवीर का कुछ समय पूर्व देहांत हो गया था। उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री चौ. बंसीलाल व देवीलाल ने सम्मानित किया था। स्वतंत्रता सेनानी की अंतिम यात्रा में कोसली के सरपंच रामकिशन, जीवन हितेषी, रिंकू कोसलिया, रमेश शर्मा, रामफल कोसलिया, ओमप्रकाश डाबला, हरिओम शर्मा व संजय यादव सहित कोसली व आसपास के गांवों के लोग शामिल हुए।

भारतीयों को गाली देने वाले जेल के अंग्रेज अफसर को पीटने पर एक सप्ताह भूखे रहे थे मंगल सिंह

सुनील गर्ग ⏭| कोसली

आजाद हिंद फौज के सिपाही मंगल सिंह ने भारत और भारतीयों को गाली देने पर बर्मा की सेंट्रल जेल में एक अंग्रेज अफसर को पीट दिया था। जेलर मौके पर पहुंचा और उनको माफी मांगने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया। इस पर उन्हें एक सप्ताह तक भूखे रहने की सजा दी गई थी। इसके बाद भी उनका हौंसला कम नहीं हुआ। नेताजी के अमर वाक्य तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा से प्रेरित होकर वे आईएनए में शामिल हो गए। आजाद हिंद फौज और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम आता तो उनकी आंखों में चमक आ जाती थी। इनके पिता सूरत सिंह के परिवार में तीन भाई-बहनों में सबसे बड़े मंगल सिंह गांव में लोगों से नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम सुनते थे, तभी से उन्होंने सेना में भर्ती होने का मन बना लिया था। वे 5 साल बर्मा की जेल में रहे थे। मंगल सिंह बताते थे कि उस समय ब्रिटिश सेना में भर्ती होना आसान था। इसलिए नेताजी तक पहुंचने के लिए अगस्त, 1940 में वह ब्रिटिश सेना में शामिल हो गए। इसी दौरान अंग्रेजों का जापान के साथ युद्ध शुरू हो गया। उन्हें अन्य साथियों के साथ सिंगापुर से बर्मा की सेंट्रल जेल में बंद कर दिया गया। करीब 5 साल जेल में बंद रहने के दौरान अन्य कैदियों के साथ मिलकर बगावत कर दी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनसे मिलने गए और सभी को जेल से रिहा कराया। उन्होंने जेल में ही नेताजी के साथ देश के लिए आजादी कि लड़ाई में अपना योगदान करने की इच्छा जताई। इसके बाद से नेताजी के साथ सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात रहे। कोसली और आसपास के क्षेत्र में मंगल सिंह को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था।

- नेताजी के अमर वाक्य तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा से प्रेरित होकर आईएनए में शामिल हुए थे स्वतंत्रता सेनानी

भ्रामण प्राणायाम माइग्रेन की समस्या को करता कम

त्रिकोणासन का अभ्यास चिंता, तनाव और मनोरोगों को ठीक करने में लाभकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग प्रोटोकाल के तहत कराए जाने वाले आसनों में पांचवे नंबर पर त्रिकोणासन का अभ्यास कराया जाता है। यह आसन दो शब्दों से मिलकर बना है। त्रिकोण यानि तीन कोणों वाला आसन त्रिकोण की आकृति में दिखाई देता है, इसलिए इस आसन को त्रिकोणासन कहते हैं। इस आसन के अभ्यास के लिए सबसे पहले समस्थिति में खड़े हो जाएं। दोनों पैरों के मध्य अपने कद के अनुसार दो से तीन फीट का अंतर रखें। दाएं पैर का पंजा बाहर की तरफ करें,जबकि बायां पैर स्थिर रहेगा। अब धीरे-धीरे श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कंधे के समानांतर उठाएं। श्वास छोड़ते हुए धीरे-धीरे दाएं हाथ को दाएं पैर के सामने रखें और बाएं हाथ को ऊपर आकाश की तरफ ले जाएं। इसके साथ गर्दन को ऊपर की तरफ घुमाएं और दृष्टि बाएं हाथ की हथेली पर रखें। इस स्थिति में 15 से 20 सैकेंड तक रुके। इसके बाद सामान्य स्थिति में वापस आ जाएं। इसी अभ्यास को पुनः बाई तरफ से दोहराएं। आईजीयू के योग आचार्य डा. धर्मवीर ने बताया कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, माइग्रेन, सिर दर्द, गर्दन और पीठ में दर्द की समस्याओं से पीड़ति लोगों को इस आसन का अभ्यास नहीं करना चाहिए। महिलाएं भी माहवारी और गर्भावस्था में इस आसन का अभ्यास न करें। नए अभ्यासी इस अभ्यास में हथेलियां को जमीन पर न टिकाकर पिंडली या घुटने पर भी रख सकते हैं। योग आचार्य ने बताया कि सनातन संस्कृति में धर्म व साहित्य के साथ जुड़े इतिहास में तीन नंबर का विशेष महत्व है। त्रिकोणासन में बनने वाले त्रिभुज के भी कई अर्थ हैं। उदाहरण के लिए शरीर, मन और आत्मा का मिलन या अतीत, वर्तमान और भविष्य का भी प्रतीक है।

रेवाड़ी। भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करते हुए युवती तथा त्रिकोणासन का अभ्यास करते हुए युवतियां। फोटो : हरिभूमि

आसन करने से मिलने वाले लाभ

त्रिकोणासन का अभ्यास चिंता, तनाव व अवसाद मनोरोगों में लाभकारी है। इससे गर्दन, कमर और पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती है। पेट और कमर की अतिरिक्त चर्बी कम होती है। शरीर सुडौल बनता है व आंतों में क्रमाकुंचन ठीक होने से भूख खुलकर लगती है। त्रिकोणासन से मेरुदंड में लचीलापन आता है। शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ता है तथा पाचन तंत्र मजबूत होता है।

भ्रामरी प्राणायाम करने के लाभ

भ्रामण प्राणायाम तनाव, क्रोध और चिंता से तत्काल राहत देता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ति व्यक्तियों के लिए यह अतिप्रभावशाली श्वसन विधि है, क्योंकि यह उत्तेजित मन को शांत कर देता है। यदि आपको ज्वर अथवा हल्का सिरदर्द है, तब भी यह प्राणायाम उसमें भी राहत प्रदान करता है। माइग्रेन जैसी समस्या को भी कम करता है। एकाग्रता तथा स्मरण शक्ति में सुधार लाता है। आत्मविश्वास सुदृढ़ करता करने के साथ रक्तचाप कम करता है। यह आसन ध्यान की तैयारी के लिए मन को शांत करता है। आसन करने के लिउ अपने अंगूठे को कान के भीतर न डालकर कान की उपास्थि पर ही रखे। उपास्थि को बहुत जोर से न दबाएं। उसे अपनी अंगुली से हल्का सा दबाएं और छोड़ें। भिनभिनाहट जैसी ध्वनि निकालते हुए अपना मुंह को बंद रखें। आप हाथों की अंगुलियों को षण्मुखी मुद्रा में रखकर या कान में अंगुली डालकर भी भ्रामरी प्राणायाम कर सकते हैं।

मन को तत्काल शांत करता भ्रामरी प्राणायाम

भ्रामरी प्राणायाम का नाम भारत में पाई जाने वाली काले रंग की भंवरे के नाम पर रखा गया है। भ्रामरी प्राणायाम मन को तत्काल शांत करता है। यह प्राणायाम मन को उत्तेजना, निराशा और चिंता से मुक्त करने के लिए एक उत्तम श्वसन तकनीक है। यह एक साधारण तकनीक है, जिसे कार्यस्थल या घर, किसी भी स्थान पर किया जा सकता है और तनावमुक्त होने के लिए तात्कालिक विधि है। इस प्राणायाम में बाहर जाने वाली सांस की ध्वनि भंवरे की गुंजन जैसी होती है, इसलिए इस का नाम भ्रामरी रखा गया है। भ्रामरी आसन करने के लिए किसी हवादार व शांत कोने में आंखें बंद करके सीधे बैठ जाए। चेहरे पर एक हल्की मुस्कान बनाए रखें। अपनी आंखें बंद सहजता से बंद कर लें। इस दौरान शरीर में होने वाली संवेदनाओं और भीतरी शांति को अनुभव करते रहें। अब अपनी षण्मुखी मुद्रा या योनि मुद्रा लगाते हुए अपने अंगूठे से कान बंद करें और तीन अंगुलियों को आंखों के पास और प्रथम अंगुली को माथे पर रखें। एक गहरी लंबी श्वास लें और जैसे-जैसे सांस छोड़ते हैं, उसी के साथ भंवरे जैसी तेज भिनभिनाहट वाली ध्वनि नासिकाओं से निकाल दे। धीमी ध्वनि में भी यह प्रक्रिया कर सकते है, किंतु श्रेष्ठतर परिणामों के लिए उच्च स्वर वाली ध्वनि निकालना उत्तम विकल्प है। पुनः श्वास लें और यही प्रक्रिया 3 से 4 बार तक दोहराएं। रोग विशेष में इस प्राणायाम को पीठ पर अथवा दाई करवट लेकर भी कर सकते हैं। लेटकर भ्रामरी प्राणायाम करते हुए केवल भिनभिनाहट जैसे ध्वनि निकालते रहें।

रेवाड़ी। गांव में लगे शिविर में लोगों को जागरूक करती टीम। फोटो : हरिभूमि

स्वस्थ गांव-सशक्त भारत की दिशा में कारगर बन रही जागरूक पहल

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

स्वस्थ गांव-सशक्त भारत की दिशा में समाजसेवा की मिसाल बनता हुआ प्रोजेक्ट जागरूक एक ऐसी पहल है, जिसकी शुरूआत 12वीं कक्षा के छात्र देव चौहान ने की है। प्रोजेक्ट के तहत जिले के पांच गांवों लालपुर, सहारनवास, बगथला, बुड़ोली व नेचाना में निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता व नामांकन शिविर का आयोजन किया जा चुका है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत आगामी दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में और भी चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। शिविर में डा. शरद चौहान व उनकी विशेषज्ञ टीम ग्रामीणों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रही है। साथ ही उन्हें आयुष्मान भारत योजना और उससे जुड़े लाभों की जानकारी भी दे रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़कर लाभांवित हो सकें। अब तक 500 से अधिक लोग लाभ उठा चुके हैं।

रेवाड़ी में बड़ा मजबूत संगठन खड़ा करके आने वाले समय में चुनौतियों से लड़ा जाएगा : संदीप

कोसली। रविवार को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की बैठक कोसली के एक समारोह स्थल में हुई, जिसमें अभियान के तहत पूरे प्रदेश में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति करने के लिए गठित किए गए एआईसीसी आब्जर्वर एवं पीसीसी आब्जर्वर की टीम ने कार्यकर्ताओं से बात की। जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए एआईसीसी आब्जर्वर बीएम संदीप, पीसीसी आब्जर्वर हरियाणा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, श्याम सुंदर बत्रा व पराग शर्मा की टीम का पूर्व मंत्री जगदीश यादव, ओमप्रकाश डाबला, दीवान सिंह चौहान, संजय बहाला, मनोज, रामफल कोसलिया, रतनकुमार एडवोकेट व पवन भाड़ावास सहित तमाम नेताओं व कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर एआईसीसी आब्जर्वर बीएम संदीप ने कहा कि सभी कार्यकर्ता संगठन में लगातार काम कर रहे हैं। हर प्रदेश में कांग्रेस का मजबूत संगठन है। रेवाड़ी में भी एक बड़ा मजबूत संगठन खड़ा करके आने वाले समय के चुनौतियों से लड़ा जाएगा।

नीट परीक्षा परिणाम में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭| महेंद्रगढ़

नेहा

खुशी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नीट की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें सूरज स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने शानदार सफलता अर्जित कर अपने विद्यालय, क्षेत्र तथा माता-पिता के नाम को रोशन किया। संस्था निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों में नेहा ने 720 अंकों में से सर्वाधिक 584 अंकों के साथ स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी क्रम में खुशी ने 553 अंकों के साथ द्वितीय तथा रुचि ने 549 अंकों के साथ तृतीय, निखिल कुमार ने 547, काव्या ने 545, मनीष ने 541, सुनील कुमार ने 540, प्रियांशु ने 538, अभिषेक ने 537, विष्णु ने 536, आकांक्षा ने 535, मेहा ने 534, विवेक ने 527, हिमांशी ने 525, समीक्षा ने 525, वैभव ने 525, सोमेश ने 520, नमन ने 518, शिवांगी ने 515, माणिक ने 515, हर्षिता ने 514, खुशी ने 513, तनीषा ने 510, हरमन ने 505, समीर ने 502, अविरल शर्मा ने 500, अभिनव ने 498, नेत्रपाल ने 496, सौम्या ने 495, पूजा ने 495, प्रियांशु ने 495, भूपेंद्र ने 493, विशेष ने 490, मेघा ने 487, आकाश ने 485, मुस्कान ने 480, कनक भारद्वाज ने 462 अंक एवं अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। इस अवसर पर संस्था के निदेशक संदीप प्रसाद ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि योजनाबद्ध तरीके से तथा कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प, के बल पर जीवन में बड़ी से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था की जिला स्तरीय बैठक गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में संपन्न हुई

- शास्त्री बोले - सांस्कृतिक अहीरवाल ने क्षेत्र को पहचान दिलाने के लिए लंबी छलांग लगाई

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था की जिला स्तरीय बैठक रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में संपन्न हुई। बैठक के अध्यक्षता जिला संयोजक यशपाल आर्य ने की। इस अवसर पर जिले की सभी इकाइयों के संयोजक और सहसंयोजक उपस्थित थे। बैठक में संस्था की ओर से किए गए पिछले व आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने कहा किसी भी देश की पहचान उसके सांस्कृतिक बिंदुओं पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि जिस देश के नागरिक अपने सांस्कृतिक बिंदुओं को आत्मीयता पूर्वक स्वीकार कर उन्हें आने वाली पीढ़ी को संस्कार के रूप में देते हैं, वे परंपराएं बन जाती हैं। परंपराओं के आधार पर इतिहास बनता है। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी जिले के प्रत्येक गांव के इतिहास का लेखन हो गया है, अब इतिहास की बारीकियों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शास्त्री ने कहा कि सांस्कृतिक अहीरवाल ने अपने छोटे से कार्यकाल में क्षेत्र को पहचान दिलाने के लिए एक लंबी छलांग लगाई है। यदि सभी योग्य व्यक्ति इसी प्रकार तन्मयता पूर्वक कार्य करते रहें तो अहीरवाल संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा का यह विषय सभी लोगों को ध्यान में आएगा। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर अपने पूर्वजों के द्वारा स्थापित मूल्यों तथा वीर व महापुरुषों की ओर से स्थापित इतिहास को न केवल संरक्षित करना चाहिए, बल्कि उसमें अपना सक्रिय योगदान देकर उसका प्रचार प्रसार करना चाहिए।

बैठक में बावल से शिम्भू सिंह चौहान मास्टर लक्ष्मी नारायण, धारूहेड़ा से रामकुमार खरखड़ा, रूपचंद लीडर लोधाना, रेवाड़ी से सत्यपाल भाड़ावास, मुखराम पूर्व सरपंच शहबाजपुर खालसा, खोल से गजेंद्र, अशोक मामड़िया अहीर, जयपाल खोल, जाटूसाना से सुरेंद्र, नवीन मूसेपुर, नाहड़ से सेवानिवृत पुलिस इंस्पेक्टर ब्रह्मप्रकाश यादव व प्रोफेसर धर्मवीर यादव उपस्थित थे।

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

किसी भी देश की पहचान उसके सांस्कृतिक बिंदुओं पर निर्भर करती है : सत्यव्रत शास्त्री

नीट में आरपीएस के 102 विद्यार्थियों ने हासिल किए 500 से अधिक अंक

- आरपीएस की सारिका ने नीट परीक्षा में ऑल इंडिया कैटेगरी रैंक 86 लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। छात्रा को बधाई देते शिक्षक एवं अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

एनटीए द्वारा घोषित नीट परीक्षा परिणाम में आरपीएस समूह के छात्रा सारिका ने 720 में से 625 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 86 प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आरपीएस संस्था के 102 विद्यार्थियों ने पूरे देश-प्रदेश में इतिहास रचते हुए 500 से अधिक अंक अर्जित किए हैं। इस परीक्षा परिणाम पर आरपीएस विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, संस्था के सीईओ इंजी. मनीष राव, संस्था के डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि आरपीएस एक ऐसा मंच है जहां पर हर बच्चे की प्रतिभा को तराश कर उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचाने का काम अभिभावकों के विश्वास के अनुरूप किया जा रहा है। यह सब अभिभावकों के विश्वास का ही परिणाम है कि आज उनके बच्चे हर क्षेत्र में अव्वल भूमिका में नजर आ रहे हैं। नीट की परीक्षा में आरपीएस ग्रुप के सारिका ने 720 अकों में से 625 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 86, इकलव्य सिंह ने 616 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 364, गोपेश शर्मा ने 609 अंकों के साथ आल इन्डिया जनरल रैंक 550, रनित ने 607 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 292 प्राप्त किए हैं। इसके अलावा कशिश ने 597 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 508, प्रथम कुमार ने 592 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 653, दिपांशु ने 588 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1338, दिपेश ने 588 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1322, आरती ने 586, जानवी ने 585 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1528, कनिष्का ने 581 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1204, हिमानी ने 581 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1251, तनिशका जैन ने 581 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1743, साहिल ने 580 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1308, गौरव ने 580 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 299, हिंदवी ने 579 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1882, रितु ने 578 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1418, पूजा ने 578 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1449, चचंल ने 577 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 3947, हर्षित ने 576 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 97, स्नेहा ने 575 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 378, अनुज ने 574 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1757, निशा ने 574, आर्या यादव ने 572 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 1982, अक्ष यादव ने 571 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 2097, हर्षित यादव ने 566 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 2538, निष्ठा ने 566, सुर्यपाल ने 565 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 2655, दिपेश तायल ने 565 अंकों के साथ आल इन्डिया जनरल रैंक 3219, रेहा ने 564 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 3306, तमन्ना यादव ने 564 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 2912, निकिता यादव ने 564, वंश मितल ने 563 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 3419, शुभम ने 562 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 3176, साईना ने 561 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 3350, साक्षी ने 560 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 3804, रोहित ने 557 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 3873, आदिती ने 553 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 4941, अंशिका ने 553 अंकों के साथ आल इन्डिया कैटेगरी रैंक 4543 प्राप्त करके नाम रोशन किया।

जजपा का सदस्यता अभियान शुरू

जिले के प्रत्येक हलके में पांच हजार सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज. बावल

रविवार को बावल स्थित बाबा रतिराम धर्मशाला में जननायक जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी दलबीर सिंह धनखड़ थे तथा अध्यक्षता जिला प्रधान विजय पंच ने की। इस मौके पर सभी हलका अध्यक्ष भी मौजूद थे। मीटिंग का आयोजन हलका प्रधान बावल उपेंद्र सिंह ने किया। जिला प्रभारी दलबीर धनखड़ ने कहा जजपा हर हलके में 5000 नए सदस्य जोड़ेगी।

रेवाड़ी। सदस्यता अभियान के शुभारंभ पर अतिथियों का स्वागत करते कार्यकर्ता।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर हलका प्रधान रेवाड़ी मनोज चौधरी सरपंच ढाकिया, पूर्व प्रधान भूप सिंह रसियावास, बिमला चौधरी, शीशराम चौकन, झम्मन सिंह बीदावास, किशन चंद प्राणपुरा, हुकुम सिंह पहलवान बावल, जगदीश प्राणपुरा, सुमन शर्मा, हुकम सिंह देशवाल, भीम सिंह हरचंदपुर, भूपेंद्र शेखपुर, राजू चौधरी बावल, प्रवक्ता कमल मंगलेशवर, सचिन ढींगड़ा, रिंकू भड़ंगी, सत्यवान, सुभाष चंद्र नंबरदार, भूपेंद्र, बिजेन्द्र सरपंच बखापुर, अजय, सावत सिंह, चरण सिंह बखापुर, संदीप बावल, चरणजीत, देवेंद्र, अंकुर, सुरेंद्र, पवन, नीरज, जीवन सिंह, सतबीर सैन, हुकम महलावत बावल व सुमित सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रेवाड़ी जिले के खण्ड नाहड़ की ग्राम पंचायत छव्वा में लोहे के रैम्प, अलमारी, सन्दूक, रिक्शा, मोटर, लकड़ी की कड़ी, लोहे के पाईप, सौलर बैटरी, जंगला, खिड़की, रोशनदान व कुर्सी की निलामी दिनांक-23-6-2025 को प्रातः 10 बजे पंचायत घर के प्रांगण में की जायेगी। बोलीदाता बतौर सिक्योरिटी रूपए 5000/-(पांच हजार) जमा कराने होगे। बाकी शर्तें मौके पर सुनाई जायेगी।

हस्ता/- राजबाला
सरपंच, ग्राम पंचायत छव्वा
मो.8053483603

खबर संक्षेप

चिकित्सा शिविर में 157 लोगों की हुई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें लोगों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। कैंप में 157 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में डा. रवि राव ने मेडिसिन, डा. अजय यादव ने हड्डीरोग, डा. अभिनव राव ने सर्जरी, डा. कंचन यादव ने नेत्ररोग, डा. अजीत यादव ने बालरोग व डा. योगेन्द्र यादव ने चर्मरोग के रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, डा. यशपाल यादव, जसवंत सिंह यादव, शशिभूषण यादव, अमर सिंह, गोकल राम, सभा के प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव व राम सिंह ने सहयोग दिया।

शहर में फादर्स-डे का किया सेलिब्रेशन

रेवाड़ी। बच्चों की पहचान उनके माता-पिता के नाम से ही होती है। माता-पिता को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष मातृ व पितृ दिवस मनाया जाता है। शास्त्रों में भी उल्लेख है कि माता-पिता ने संतान को जन्म दिया है, संतान कभी उनका ऋण नहीं चुका सकती। फिर भी सुसंस्कारी बच्चे अपने माता-पिता का सम्मान व सेवा कर इस ऋण को चुकाने का प्रयास अवश्य करते हैं, कभी भी इस ऋण से मुक्त नहीं हुआ जा सकता। पितृत्व यानि कि पिताओं के सम्मान में रविवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पिता के प्रति किया जाने वाला यह सम्मान मदर्स-डे यानि कि मातृ दिवस का पूरक है। वक्ताओं ने कहा कि यह विश्व के अन्य देशों में भी मनाया जाता है, जिसमें बच्चे अपने पिता को विशेष उपहार देते हैं एवं पारिवारिक गतिविधियां भी उनके अनुकूल करते हैं।

बंदियों को अवसर प्रदान करते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाया जाए

प्रदेश की जेलों में कैदियों के लिए चलाए जा रहे स्किल डेवलपमेंट कोर्स : सीएम

- एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जेल परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। नवनिर्मित जेल का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा जेल परिसर में मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ आनर देते हुए पुलिस के जवान। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि जेलों में बंदियों को सकारात्मक अवसर प्रदान करते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाया जाए। इसी उद्देश्य से जेलों में बंदियों को कौशल विकास, शिक्षा, मनोवैज्ञानिक सहयोग की सुविधाएं दी जा रही हैं, ताकि वे बाहर आकर समाज में पुनः सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। बंदियों को शिक्षा प्रदान करने हेतु जेलों में स्किल डेवलपमेंट के कोर्स भी चलाये जा रहे हैं तथा उन्हें पढ़ने के लिए लाइब्रेरी की सुविधाएं भी दी जा रही हैं। सैनी रविवार को फिदेड़ी में 50 एकड़ में 95 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई अत्याधुनिक नई जिला जेल परिसर का उद्घाटन करने उपरांत यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस नई जिला जेल में एक हजार बंदियों को रखने की क्षमता है। इस जेल में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, ताकि बंदियों के सुधार व पुनर्वास कार्यक्रम चलाये जा सकें। इस जेल परिसर में प्रशासनिक भवन के अलावा कैदियों व बंदियों के लिए 11 बैरक, 2 सुरक्षा वार्ड, एक उद्योगशाला, एक 30 बैड का अस्पताल, कंट्रोल रूम, भोजनालय तथा गोदाम बनाये गये हैं। साथ ही, रिहायशी परिसर भवन में 74 मकान, एक वार्डर होस्टल, एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, पार्क तथा कम्युनिटी सेंटर का निर्माण किया गया है। इस जेल के सुचारू संचालन के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। महिला कर्मचारियों को भी प्राथमिकता दी गई है, जिससे महिला बंदियों को उचित देखभाल मिल सके।

सीएम ने किया जेल परिसर का अवलोकन

जिला जेल परिसर का उद्घाटन करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने जेल कार्यालयों तथा जेल परिसर का अवलोकन किया। वहीं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जेल परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उनके साथ जेल एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, विधायक कोसली अनिल यादव, विधायक बावल डॉ. कृष्ण कुमार, नारनौल से विधायक ओपी यादव व पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने भी पौधरोपण किया। इस अवसर पर महानिदेशक जेल मोहम्मद अकील, आईजी श्री अशोक कुमार, जेल महानिरीक्षक जगजीत सिंह, हरियाणा सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन कृष्ण कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जेलों की व्यवस्था की जा रही कंप्यूटरीकृत

नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रदेश की जेलों में 335 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित किये गये हैं, जिनके द्वारा बंदियों की विभिन्न न्यायालयों में ऑनलाइन पेशी करवाई जाती है। प्रदेश की जेलों में प्रवेश से लेकर रिहाई तक तथा उनके रहन-सहन, खानपान, उनकी मुलाकातें, चिकित्सा सुविधाएं, कोर्ट-पेशी व कैंटीन व्यवस्था को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है। राज्य में 3 केंद्रीय जेल तथा 17 जिला जेल स्थापित हैं। इनमें 22 हजार 647 बंदियों को रखने की क्षमता है। केंद्रीय जेल अंबाला, केंद्रीय जेल हिसार व जिला जेल फरीदाबाद, पानीपत, गुरुग्राम, करनाल, झज्जर, रोहतक, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र में जेल रेडियो स्टेशन चलाए जा रहे हैं। कठोर एवं गंभीर अपराधों में शामिल अपराधियों के लिए रोहतक में एक अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था एवं तकनीकों से युक्त उच्च सुरक्षा जेल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

वरिष्ठ जनों के पास अनुभवों का होता है अनमोल खजाना

- नई पीढ़ी के बच्चे भौतिक ज्ञान में आगे बढ़ने के साथ संस्कारों के मामले में पिछड़ रहे : अरूण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में वरिष्ठ जनों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि श्रीश्याम दीवाना मंडल के प्रधान मनोज यादव, एम्स संघर्ष समिति के प्रधान कैलाश चंद, शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि परिवार के सभी सदस्यों को घर में बड़ों का पूरा मान सम्मान करना चाहिए, क्योंकि वरिष्ठ जनों के पास अनुभवों का अनमोल खजाना होता है। उनके पास हर समस्या का हल रहता है व उनके आशीर्वादों में गजब की शक्ति होती है। शिक्षाविद प्रो. सीएल सोनी, समाजसेवी आदर्श राजपाल, डा. बलबीर अग्रवाल, एसबीआई के मैनेजर सुरेंद्र सिंह व प्रधान अरूण गुप्ता ने कहा कि नई पीढ़ी के बच्चे भौतिक ज्ञान में तो आगे बढ़ रहे है, लेकिन संस्कारों के मामले में काफी पिछड़ रहे है, जिसके कारण आए दिन नई पीढ़ी के बच्चे जल्दबाजी में कुछ ऐसा कर बैठते है, जिसके लिए उन्हें बाद में पछताना पड़ता है। पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज व शिक्षाविद मधु गुप्ता ने कहा कि पहले संयुक्त परिवार होते थे। घर के बच्चे दादा-दादी की गोद में पलते थे। दादा-दादी उन्हें कहानियों के माध्यम से अच्छी बाते बताते थे, जिससे उनके अंदर अच्छे विचारों का निर्माण होता था। संस्था के सहसंयोजक परवीन ठाकुर ने सभी को एरोबिक्स कराया। संस्था की ओर से अतिथियों को राम दरबार, भगवान शिव, स्वामी विवेकानंद व शहीदे आजम भगतसिंह के चित्र भेट किए गए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के जिला अध्यक्ष दीपेश भार्गव, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, हिमांशु पिपलानी, प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, गीतांशी नागपाल, पुरूषोत्तम नंदवानी आदि मौजूद रहे।

प्लाट में चिनाई करने का विरोध करने पर महिला व ससुर को पीटा, पुलिस ने किया केस दर्ज

- पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

गांव सुर्खपुर में प्लाट में पशुओं को चारा डाल रही महिला पर गांव के कुछ लोगों ने हमला कर दिया। शोर सुनकर जब महिला का ससुर मौके पर आया तो हमलावरों ने उसको भी मारपीट कर घायल कर दिया। कोसली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सुर्खपुर निवासी रेणु ने पुलिस को बताया कि 14 जून को शाम करीब 3 बजे वह अपने प्लाट में पशुओं को चारा डाल रही थी। तभी गांव के सहदेव, जयकेश, मोहन, राजू, अनिल , सोमबीर, प्रमिला, शर्मिला, सुमन व संजू सहित 10-12 बाहर के व्यक्तियों ने उनके प्लाट की दीवार पर चिनाई शुरू कर दी। चिनाई करने में दो मिस्त्री व तीन-चार लेबर थी। महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने विरोध किया व्यक्तियों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसे काफी चोटें आई। जयकेश ने उसके सिर पर वार किया व राजू ने लाठी से कंधे पर वार किया, जिससे वह नीचे गिर गई तो औरतों ने मिलकर उसे डंडों पीटना शुरू कर दिया। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर आए उसके ससुर धर्मपाल ने जब छुड़ाने का प्रयास किया तो व्यक्तियों ने धर्मपाल के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसका पति प्रविन्द्र कुमार परिवार के साथ वहां पहुंच गया और उसके पति ने वीडियो बनानी शुरू कर दी, जिससे सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। परिजनों ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी तथा रेणु व धर्मपाल को अस्पताल में दाखिल कराया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवाओं ने लगाई मीठे पानी की छबील राहगीरों को मिली गर्मी से राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत देने के लिए सामाजिक संस्थाओं, दुकानदारों व युवाओं की ओर से मीठे पानी की छबील लगाई जा रही है। संस्थाओं की ओर से अनेक स्थानों पर पक्षियों के लिए भी दाना-पानी का प्रबंध किया जा रहा है। इसी कडी में शहर के युवाओं की ओर से कटला बाजार में मीठे पानी की छबील लगाई गई। युवाओं ने राहगीरों को ठंडा व मीठा पानी पिलाकर गर्मी में राहत का अहसास कराया। सुबह से दोपहर बाद तक चली छबील पर काफी भीड रही। युवाओं ने कहा कि गर्मी में राहगीरों के साथ पशु-पक्षियों को पानी पिलाना बड़े पुण्य का कार्य है। उन्होंने शहरवासियों से अपने घरों की छतों पर पक्षियों के लिए व घर के आसपास पशुओं के लिए पानी का बर्तन रखने की अपील की।

रेवाड़ी। कटला बाजार में लगी छबील से मीठा पानी पीते लोग।

आरकेसी के नौ विद्यार्थियों ने नीट में लहराया परचम

रेवाड़ी। राव खेमचंद विद्या विहार बोहतवास के 9 विद्यार्थियों ने 500 से अधिक अंक लेकर नीट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। छात्रा नेहा गांव पाली ने 720 में से 601, कुशहाल गांव भटेड़ा ने 562, यश ने 557, नीकिता चौहान ने 533, तनीषा ने 516, दिव्या ने 512, वंशिका ने 512, आरुषी ने 510 व अनंष्दी ने 506 अंक प्राप्त कर विद्यालय के साथ-साथ अपने क्षेत्र व माता-पिता का नाम रोशन किया है। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रदीप यादव ने कहा कि यह छात्रों की अथक मेहनत, नीट हेड उमेश राव व उनकी टीम से गंगम, राहुल, कामेश, रेषु यादव, मीनाक्षी, नसीब व प्रीति की कड़ी मेहनत का परिणाम है। संस्था के अध्यक्ष देवन्द्र कुमार, काउंसलर डा. ओपी यादव, शिक्षिक हैड प्रतिभा पारिक, सरोज यादव व कोर्डिनेटर अभय यादव ने सभी छात्रों उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

रेवाड़ी। नीट के रिजल्ट की खुशी मनाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। धारूहेड़ा की फिरनी में सड़क पर खड़े वाहन तथा धारूहेड़ा में अवैध पार्किंग में खड़े वाहन। फोटो : हरिभूमि

धारूहेड़ा की फिरनी में अवैध पार्किंग से परेशानी, लोगों ने एसपी को दी शिकायत

- फिरनी से पांच गांवों के लोगों का आवागमन रहता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

धारूहेड़ा की फिरनी में बढ़ रही वाहनों की अवैध पार्किंग से कस्बावासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर विकास युवा संगठन ने पुलिस अधीक्षक का शिकायत देकर फिरनी से अवैध रूप से की गई वाहनों की पार्किंग की समस्या का समाधान करने की मांग की है। लोगों ने कहा कि सड़क पर वाहन खड़े करने वाले चालकों के चालान कर वाहनों उनको जब्त किया जाए ताकि फिरनी से अवैध पार्किंग खत्म हो सकें। लोगों ने बताया कि फिरनी की सड़क पर अवैध रूप से बनी झील मार्केट व बक्शी मार्केट के दुकानदारों व लोगों के वाहनों सहित ऑटो खड़े रहते हैं।

इस फिरनी से पांच गांवों के लोगों का आवागमन रहता है। सड़क पर वाहनों के खड़े रहने से ग्रामीणों को ट्रैक्टर-ट्रालियां निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मार्केट के दुकानदार सुबह के समय ही अपने वाहनों को फिरनी में खड़ा करके चले जाते हैं तथा ये गाड़ियां शाम तक सड़क पर खड़ी रहकर यातायात बाधित करती है। मार्केट के किसी भी दुकानदार के पास न तो पार्किंग है और न ही वे सड़क पर व्यवस्थित ढंग से वाहनों को खड़ा करते है।

फिरनी की सड़क पर अवैध पार्किंग से कई बार जाम की स्थिति भी पैदा हो जाती है। इसलिए सड़क पर अवैध रूप से गाड़ियां पार्किंग करने वाले लोगों के चालान किए जाए। इसके अलावा कस्बे के सोहना रोड, दिल्ली रोड व नंदरामपुर बास रोड पर दुकानदारों ने सड़क पर सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ है, जिससे वाहनों चालकों को गर्मी में जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि पुलिस को कस्बे की फिरनी, सोहना रोड, भगत सिंह चौक व दिल्ली रोड पर सड़क पर वाहन खड़े करने वाले चालकों के चालान करने चाहिए।

गौरव ने नीट परीक्षा में ऑल इंडिया पर 23वीं रैंक लाकर रचा कीर्तिमान

- 30 प्लस विद्यार्थियों ने 500 से अधिक अंक लेकर सफलता प्राप्त की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से आयोजित नीट यूजी प्रवेश परीक्षा के परिणाम में आकाश इंस्टीट्यूट रेवाड़ी के सभी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की है। गौरव गांव बलियार कलां ने 665 अंक लेकर 23वीं ऑल इंडिया रैंक व दूसरी ओबीसी कैटेगरी रैंक लेकर सफलता प्राप्त की। इसके अलावा 30 प्लस विद्यार्थियों ने 500 से अधिक अंक लेकर सफलता प्राप्त की। सभी छात्रों को इंस्टीट्यूट की प्रबंधन समिति ने सम्मानित किया गया। इंस्टीट्यूट के प्रबंधक जतिन बांगर ने विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। छात्रों ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी कड़ी मेहनत, शिक्षकों व माता-पिता को दिया है। सेंटर के डायरेक्टर कुलदीप यादव ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के अथक परिश्रम तथा अभिभावकों एवं शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन का परिणाम है। सेंटर हेड बांगर ने कहा कि कठिन परिश्रम के बिना जीवन में कोई भी उपलब्धि संभव नहीं है।

रेवाड़ी। नीट के छात्रों को सम्मानित करते सेंटर के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

बावल कृषि कॉलेज में पांचवें दिन भी जारी रहा छात्रों का धरना

बावल। चौधरी चरणसिंह यूनिवर्सिटी हिसार में छात्रों पर लाठीचार्ज करने के विरोध में बावल कृषि कॉलेज के विद्यार्थियों का धरना-प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी रहा। विद्यार्थी सरकार से लगातार मांगे पूरी करने की मांग कर रहे है। छात्रों ने कहा कि छात्रवृति उनका अधिकार है। जब तक मांगे नहीं मानी जाती धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि पहले स्कॉलरशिप 75 प्रतिशत से अधिक अंक वालों को मिलती थी, अब उसे घटकर सिर्फ 25 प्रतिशत छात्रों तक सीमित कर दिया गया है। धरने पर पराग शर्मा, संदीप कुमार, ईश्वर महलावत व नरेश सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद थे।

मैराथन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीम सुरेंद्र सिंह ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग मैराथन का आयोजन

मैराथन कर्नल राम सिंह चौक से शुरू होकर पंडित भगवत दयाल शर्मा चौक पर सम्पन्न हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। योग मैराथन को रवाना करते हुए एसडीएम सुरेन्द्र सिंह तथा मैराथन में शामिल खिलाड़ी, युवा व गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

जिला प्रशासन की ओर से रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग मैराथन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम सुरेंद्र सिंह ने योग मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन सेक्टर-4 बाईपास स्थित कर्नल राम सिंह चौक से शुरू होकर पंडित भगवत दयाल शर्मा चौक पर सम्पन्न हुई। इस मौके पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डा. बसंत कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन और आयुष विभाग की ओर से आम जनता को योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से योग मैराथन का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित मैराथन में आयुष विभाग, शिक्षा विभाग और जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने सहयोग दिया। मैराथन में सैकड़ों की संख्या में युवाओ, बच्चों, खिलाड़ियों व आमजन ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद्र, कार्यवाहक डीएसओ ममता, एईओ भूपेन्द्र सिंह, पतंजलि योग समिति के सदस्य, अधिकारी व सरकारी व निजी स्कूलों के स्टाफ सदस्य मौजूद थे। मैराथन में करीब 450 लोगों ने भाग लिया।